1

अवध-विहान

माह अगस्त सत्र –2026

डिजिटल पत्रिका

अंक–52, पंचाशत् पुष्प

भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निराला नगर– लखनऊ

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी

.सहसंगठन मंत्री– विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र-

मा. गोपाल राम मिश्र
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार संयोजक (भारतीय शिक्षा समिति,उ.प्र.)
मो. 9026446337, E-mail:- awadhpacher@gmail.com

प्रचार टोली

श्री चन्द्रेश अग्निहोत्री
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग

श्री मन्दीप कुमार
स.वि.म.इ.का. पलिया कलां
पलिया कलां –खीरी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग

श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.वि.म.इ.का. मालवीय नगर ,
गोण्डा

सम्पादकीय

रामचरितमानस: लोकचेतना और समन्वय का महाकाव्य

भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना को समझने के लिए रामचरितमानस का अध्ययन केवल धार्मिक दृष्टि से करना पर्याप्त नहीं है। गोस्वामी तुलसीदास की यह कृति भक्ति-काव्य होने के साथ-साथ लोकजीवन, सामाजिक मूल्यों और मानवीय संबंधों की व्यापक अभिव्यक्ति भी है। अवधी भाषा में रचित इस महाकाव्य ने अपने समय की सीमाओं को पार करते हुए पीढ़ियों तक जनमानस को प्रभावित किया है। तुलसीदास ने ऐसे दौर में रामचरितमानस की रचना की, जब समाज अनेक वैचारिक और सांस्कृतिक धाराओं से गुजर रहा था। उन्होंने संस्कृत की शास्त्रीय परंपरा और लोकभाषा के बीच ऐसा सेतु बनाया, जिसने धर्म और साहित्य के विचारों को सामान्य जन तक पहुँचाया। सहज भाषा और प्रवाहपूर्ण कथा के कारण यह कृति विद्वानों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन का भी हिस्सा बनी। रामचरितमानस की सबसे उल्लेखनीय विशेषता उसका समन्वयवादी दृष्टिकोण है। इसमें निर्गुण और सगुण भक्ति, ज्ञान और भक्ति, शैव और वैष्णव परंपराओं तथा शास्त्र और लोकजीवन के बीच सामंजस्य दिखाई देता है। यह विविधताओं को विभाजन का कारण मानने के बजाय संवाद और सहअस्तित्व की संभावना के रूप में प्रस्तुत करता है। आज के समय में, जब समाज को जोड़ने वाले विचारों की आवश्यकता है, यह दृष्टि विशेष महत्त्व रखती है। इस कृति के राम केवल आराध्य नहीं, मर्यादा और कर्तव्य के आदर्श भी हैं। वे कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखते हैं और पुत्र, भाई, मित्र तथा शासक के रूप में अपने दायित्व निभाते हैं। उनके चरित्र के माध्यम से तुलसीदास त्याग, करुणा, नैतिकता और लोककल्याण जैसे मूल्यों को प्रतिष्ठित करते हैं। सातों कांडों में प्रवाहित कथा व्यक्ति और समाज–दोनों के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर विचार करने की प्रेरणा देती है। आज का समाज भौतिक प्रगति के साथ-साथ अनेक तनावों और संकीर्णताओं का भी सामना कर रहा है। ऐसे समय में रामचरितमानस का संदेश हमें याद दिलाता है कि स्थायी सामाजिक शांति केवल बाहरी व्यवस्था से नहीं, बल्कि मर्यादित आचरण, परस्पर सम्मान और मानवीय संवेदना से संभव होती है। इस ग्रंथ को पढ़ने का सार्थक अर्थ उसके मूल्यों को जीवन में उतारना है। तुलसीदास की रामचरितमानस भारतीय साहित्य की अमर धरोहर है। लोकभाषा में व्यक्त इसकी समन्वयशील दृष्टि और मानवीय संदेश ने इसे युगों तक प्रासंगिक बनाए रखा है। यही इसकी स्थायी शक्ति है–यह केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान समाज के लिए भी विचार और आत्ममंथन का आधार है।

धन्यवाद!

(सुनील कुमार सिंह)
प्रधान सम्पादक
सरस्वती वि.म.इ.का. पलियां कला– खीरी

- अयोध्या संकुल 05—07
- रायबरेली संकुल 08—12
- सीतापुर संकुल 13—16
- बहराईच संकुल 17
- अम्बेडकर नगर संकुल 18—20
- उन्नाव संकुल 21
- लखीमपुर संकुल 22
- बेलरायां संकुल 23
- गोन्डा संकुल 24

अयोध्या संकुल

रंगारंग कार्यक्रमों एवं मनोरंजक गतिविधियों से सजा पंचम दिवस सरस्वती बालिका विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जानकीपुरम में आयोजित सावन महोत्सव के पंचम दिवस का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। सावन की हरियाली, उमंग और उत्सव की भावना से विद्यालय का वातावरण आनंदमय एवं उल्लासपूर्ण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा तिवारी जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी उपस्थिति में हुआ। उन्होंने सावन महोत्सव जैसे आयोजनों को विद्यालयी जीवन में मनोरंजन के साथ-साथ रचनात्मकता, सहभागिता और आपसी सौहार्द बढ़ाने वाला बताया। पंचम दिवस का विशेष आकर्षण रहा - आकर्षक राखियों का स्टॉल, जहाँ विभिन्न प्रकार की सुंदर एवं मनमोहक राखियाँ प्रदर्शित की गईं। राखियों के स्टॉल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और विद्यार्थियों तथा आचार्य बहनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मनोरंजन के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मधुर गीतों और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण सावन की उमंग में रंग गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के माइंड चैलेंजर्स एवं मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने प्रतिभागियों के मनोरंजन के साथ-साथ उनकी एकाग्रता, त्वरित सोच, स्मरण शक्ति और मानसिक सक्रियता को भी बढ़ावा दिया। सभी ने इन चुनौतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा तिवारी जी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को एक साथ जोड़ने के साथ-साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं।

अयोध्या संकुल

मातृ भारती गठन कार्यक्रम

आज दिनांक-24.08.2026 दिन- सोमवार को विद्यालय में मातृ भारती गठन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम में माताओं की रुचि के अनुसार उनकी विभिन्न पदों पर नियुक्त की गई जिससे कि विद्यालय के कार्यभार में उनकी भी सहभागिता बनी रहे।इस कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती गरिमा पांडेय प्रधानाचार्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय राही एवं श्रीमती तनुजा दीक्षित नगर मजिस्ट्रेट अशुलिपिक रायबरेली के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवम् सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संगीताचार्य श्रीमती रत्ना बाजपेयी जी द्वारा तू कितनी अच्छी है.. माँ गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में माताओं से बीते हुए कल को भूलकर अपने बच्चों के भविष्य को अच्छा करने की बात कही।इसके पश्चात माताओं हेतु विभिन्न प्रकार के खेल एवम् प्रश्नोंत्तरी का आयोजन किया गया, माताओं ने इनमें बढ़-चढ़ कर प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू मिश्रा जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

अयोध्या संकुल

सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर रामनगर, अयोध्या में आचार्य दक्षता वर्ग संपन्न

आज दिनांक **31** अगस्त **2026**, दिन सोमवार को प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी के निर्देशन में दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें प्रातः स्मरण, वंदना,हमारा लक्ष्य, वार्षिक गीत आदि का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य श्री अजय जी ने आचार्यों को शारीरिक दक्षता का अभ्यास कराया और उन्होंने बताया कि नियमित शारीरिक अभ्यास से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ रहता है , बल्कि इससे अनुशासित रहते हैं ।
दक्षता वर्ग कार्यक्रम मे सभी आचार्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

रायबरेली संकुल

हरियाली सप्ताह एवम् हरियाली तीज कार्यक्रम

सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज, सरस्वतीनगर, रायबरेली में दिनांक-19.08.2026 से 24.08.2026 तक हरियाली सप्ताह एवम् हरियाली तीज का कार्यक्रम मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं- मेहंदी प्रतियोगिता, कजरीगीत गायन प्रतियोगिता, राखी निर्माण प्रतियोगिता, वृक्षारोपण कार्यक्रम कराये गए। इन प्रतियोगिताओं में सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सप्ताह के समापन पर दिनांक-24.08.2024 को हरियाली तीज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी माताओं को आमंत्रित किया गया कन्या भारती की छात्राओं द्वारा माताओं को मेहंदी लगवाई गई, माताओं द्वारा कजरी गीत एवम् नृत्य प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू मिश्रा जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ ।

इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थान बालिका विद्या मंदिर में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज, रायबरेली। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठ संस्थान बालिका विद्या मंदिर में रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। विद्यालय का कुशलता पूर्वक संचालन कर रही प्राचार्य ममता सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रति जागरूक करना रहा।प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न रंगों, मोतियों, धागों एवं सजावटी सामग्री का प्रयोग करते हुए आकर्षक एवं सुंदर राखियाँ तैयार कीं। छात्राओं ने अपनी कला एवं सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया।इस अवसर पर

समाजसेविका सोनाली सोनी एवं मेकअप आर्टिस्ट महिमा सोनी की विशेष उपस्थिति के साथ-साथ छात्रों को विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ममता सिंह जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम प्रमुख आचार्या श्रीमती निशा सिंह रहीं। इस अवसर पर श्रीमती साक्षी साहू सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनंत पांडे (अनूप) ने सभी छात्राओं को रक्षाबंधन त्यौहार कीशुभकामनाएं भी दी है।राखी प्रतियोगिता ने छात्राओं में उत्साह, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत किया। कार्यक्रम का समापन छात्राओं एवं विद्यालय परिवार के उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ हुआ।

रायबरेली संकुल

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का आयोजन

लालगंज, रायबरेली। रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय में राखी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रति जागरूक करना रहा। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न रंगों, मोतियों, धागों एवं सजावटी सामग्री का प्रयोग करते हुए आकर्षक एवं सुंदर राखियाँ तैयार कीं। छात्राओं ने अपनी कला एवं सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर समाजसेविका सुश्री सोनाली सोनी जी (पूर्व छात्रा) एवं मेकअप आर्टिस्ट सुश्री महिमा सोनी जी(पूर्व छात्रा) की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

राखी प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

लालगंज, रायबरेली। बालिका विद्या मंदिर में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने रंग-बिरंगे धागों, मोतियों और सजावटी सामग्री से आकर्षक राखियां तैयार कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राचार्य ममता सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं की सृजनात्मक क्षमता को निखारने के साथ भारतीय संस्कृति और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रति जागरूक करना है। समाजसेविका सोनाली सोनी और मेकअप आर्टिस्ट महिमा सोनी ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम प्रमुख आचार्या निशा सिंह रहीं। इस दौरान साक्षी साहू सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनंत पांडेय (अनूप) ने छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता से छात्राओं में आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना मजबूत हुई।

प्रतियोगिता में शामिल शिक्षिकाएं व बच्चे।

रायबरेली संकुल

आज दिनांक **26** अगस्त **2026** को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ऊर्जा विहार, ऊँचाहार, रायबरेली में विद्यालय परिवार द्वारा भारतीय लोक-संस्कृति एवं लोकगीतों की समृद्ध परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से कजरी गीत कार्यक्रम का सुंदर एवं भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के वंदना स्थल पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय परिवार के मुखिया एवं प्रधानाचार्य श्री दीपक कुमार सिंह जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम ने एक सुंदर सांस्कृतिक रूप धारण किया। इस अवसर पर सहयोगी आचार्य श्री शशि भूषण जी, श्री अनिल दुबे जी एवं श्री अशोक दुबे जी ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से कजरी गीत की पारंपरिक मिठास और लोक-संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बालिका विद्या मंदिर में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनंत पांडे (अनूप) ने छात्राओं को रक्षाबंधन की दी हार्दिक शुभकामनाएं

लालगंज, रायबरेली। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थान बालिका विद्या मंदिर में रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। विद्यालय का कुशलता पूर्वक संचालन कर रही प्राचार्य ममता सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रति जागरूक करना रहा।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न रंगों, मोतियों, धागों एवं सजावटी सामग्री का प्रयोग करते हुए आकर्षक एवं सुंदर राखियों तैयार कीं। छात्राओं ने अपनी कला एवं सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर समाजसेविका सोनाली सोनी एवं मेकअप आर्टिस्ट महिमा सोनी की विशेष उपस्थिति के साथ-साथ छात्रों को विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ममता सिंह जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम प्रमुख आचार्या श्रीमती निशा सिंह रहीं। इस अवसर पर श्रीमती साक्षी साहू सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनंत पांडे (अनूप) ने सभी छात्राओं को रक्षाबंधन त्यौहार की शुभकामनाएं भी दी हैं।

राखी प्रतियोगिता ने छात्राओं में उत्साह, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत किया। कार्यक्रम का समापन छात्राओं एवं विद्यालय परिवार के उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ हुआ।

कजरी केवल एक लोकगीत नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी संस्कृति की पहचान और हमारी भावनाओं की मधुर अभिव्यक्ति है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली लोक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की प्रस्तुतियों की कुछ सुंदर झलकियाँ विद्यालय परिवार के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगी।

रायबरेली संकुल

राखी एवं मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

ऊँचाहार, रायबरेली **| 27 अगस्त 2026**

आज दिनांक **27** अगस्त **2026** को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ऊर्जा विहार, ऊँचाहार, रायबरेली में भैया-बहनों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने एवं भारतीय संस्कृति तथा त्योहारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राखी प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के माननीय प्रधानाचार्य जी के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में एनटीपीसी प्रियदर्शिनी क्लब की सेक्रेटरी बहन कविता जी एवं प्रियदर्शिनी क्लब की सदस्य बहन रश्मि सिंह जी ने उपस्थित होकर प्रतिभागी बहनों की कलाकृतियों का अवलोकन किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। मेहंदी प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोगी आचार्या बहन कल्याणी सिंह जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रतिभागी बहनों का मार्गदर्शन करते हुए उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया। इसी प्रकार राखी प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोगी आचार्या बहन कंचन सिंह जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बहनों ने सुंदर, आकर्षक एवं कलात्मक राखियों का निर्माण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह एवं उमंग दिखाई दी। सभी प्रतिभागियों ने अपनी कला, कल्पनाशीलता और रचनात्मक कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, भाई-बहन के पवित्र स्नेह तथा हस्तकला के महत्व को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

सीतापुर संकुल

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां में आज दिनांक **25/08/2026** दिन मंगलवार को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की निर्णायक के रूप में इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता अग्रवाल जी और श्रीमती निधि सिंघल जी उपस्थित रहीं। छात्राओं ने रंग-बिरंगे धागों, मोतियों, रेशम, ऊन, सजावटी सामग्री एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं से आकर्षक एवं सुंदर राखियों का निर्माण किया। छात्राओं द्वारा तैयार की गई राखियों में भारतीय संस्कृति, भाई-बहन के प्रेम तथा रक्षाबंधन की भावना की सुंदर झलक देखने को मिली। निर्णायकों ने छात्राओं द्वारा बनाई गई राखियों का निरीक्षण कर उनकी रचनात्मकता, सुंदरता, नवीनता एवं कलात्मक कौशल के आधार पर मूल्यांकन किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना विकसित करती हैं। राखी निर्माण प्रतियोगिता

प्रथम स्थान_राधा पोरवाल_कक्षा **8**
द्वितीय स्थान_अनुवेशिका_कक्षा **7**
तृतीय स्थान_प्रियंका_कक्षा **7**

स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को इनर व्हील क्लब के द्वारा पुरुस्कार दिया गया।

सीतापुर संकुल

रक्षासूत्र बंधन कार्यक्रम

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, दिलेरगंज, शाहाबाद, हरदोई में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रक्षासूत्र बंधन कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य एवं आचार्या बहनों ने अपनी पूर्ण सहभागिता प्रदान की।

इस अवसर पर श्रीमान् अशोक त्रिपाठी जी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं द्रौपदी की पौराणिक कथा तथा असुर सम्राट राजा बलि और भगवान विष्णु के वामन अवतार के प्रसंगों के माध्यम से रक्षाबंधन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भैया-बहनों को रक्षाबंधन के पवित्र भाव, प्रेम, विश्वास, स्नेह एवं परस्पर सहयोग के विषय में जानकारी प्रदान की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान् मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में बिना किसी भेदभाव के प्रेम, सौहार्द, विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने वाला पर्व है। उन्होंने यह भी बताया कि शासन द्वारा बहनों को उनके भाइयों तक पहुँचने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क बस सेवा की त्रिदिवसीय योजना संचालित की गई है।

कार्यक्रम के अंतर्गत सरस्वती की बहनों तथा आचार्या आस्था, शिल्पी, सोनी एवं आचार्य अशोक जी द्वारा स्टेट बैंक, राजकीय चिकित्सालय, कोतवाली एवं क्षेत्राधिकारी (सीओ) कार्यालय पहुँचकर प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कलाइयों पर रक्षासूत्र बाँधा गया। इस अवसर पर प्रेम, स्नेह, विश्वास एवं सौहार्द का संदेश दिया गया।

अंत में सभी के मंगलमय जीवन की कामना के साथ रक्षासूत्र बंधन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सीतापुर संकुल

रक्षाबंधन पर्व पर बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र, भैयाओं ने लिया बहनों की सुरक्षा का संकल्प बिसवां, सीतापुर। आज दिनांक **27** अगस्त **2026** को सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां, सीतापुर के वंदना स्थल पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मिथिलेश तिवारी जी के दिशा-निर्देशन में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास, आत्मीयता एवं भारतीय संस्कृति की गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बहनों ने भैयाओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें मिठाई खिलाई।

इस अवसर पर भैयाओं ने भी बहनों के सम्मान, सुरक्षा एवं सहयोग का संकल्प लिया। रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह, विश्वास और पारस्परिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनकर सामने आया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात शिशु मंदिर की बहनों ने विद्यालय की आचार्या बहनों श्रीमती संगीता जोशी एवं श्रीमती शिखा तिवारी तथा आचार्य श्री पुष्पेंद्र तिवारी, श्री अंकित श्रीवास्तव एवं श्री तोताराम पांडेय के साथ नगर के विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों में पहुंचकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांधा।

इस अवसर पर बालिका विद्या मंदिर की आचार्या बहिन श्रीमती प्रेमलता गुप्ता एवं सुश्री श्रृंखला श्रेयाल भी उपस्थित रहीं। बहनों ने न्यायालय सिविल जज (जू.डि.) बिसवां, सीतापुर के श्री कुंवर दिव्यदर्शी जी, श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बिसवां, श्रीमान तहसीलदार महोदय बिसवां, बैंक ऑफ बड़ौदा बिसवां के शाखा प्रबंधक महोदय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां के अधीक्षक महोदय तथा शुगर फैक्ट्री बिसवां के महाप्रबंधक महोदय सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधा। इस अवसर पर अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने बहनों के आत्मीय भाव की सराहना करते हुए रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार की ओर से इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में भाईचारा,

पारस्परिक सम्मान, सुरक्षा, सेवा, संस्कार एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

रक्षाबंधन का यह आयोजन केवल भाई-बहन के बीच रक्षा सूत्र बांधने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यालय परिवार द्वारा भारतीय संस्कृति और संस्कारों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का सुंदर प्रयास भी रहा। बहनों द्वारा अधिकारियों एवं विभिन्न संस्थानों में जाकर रक्षा सूत्र बांधना सामाजिक समरसता और आत्मीय संबंधों का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

कार्यक्रम ने उपस्थित सभी लोगों के मन में भारतीय परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने रक्षाबंधन पर्व की मूल भावना "स्नेह, सम्मान और सुरक्षा" को समाज में मजबूत करने का संदेश दिया।

बहराईच संकुल

विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षा सूत्र बंधन कार्यक्रम

बहराइच। विद्यालय में रक्षा सूत्र बंधन (रक्षाबंधन) का पर्व हर्षोल्लास, आत्मीयता एवं भारतीय संस्कारों की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भाई-बहन के पवित्र स्नेह, विश्वास एवं परस्पर दायित्व की भावना को विशेष रूप से अभिव्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी बहनों ने अपने भैया के हाथों में रक्षा सूत्र बाँधकर उनसे अपनी रक्षा एवं सम्मान का संकल्प लिया। इस अवसर पर व्यवस्था प्रमुख श्री अनूप कुमार गुप्ता जी ने रक्षाबंधन पर्व की सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल रक्षा सूत्र बाँधने तक सीमित नहीं, बल्कि परस्पर स्नेह, विश्वास, कर्तव्य और संस्कारों को मजबूत करने का संदेश देता है। आचार्य वेद प्रकाश मिश्र जी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं द्रौपदी के प्रसंग के माध्यम से रक्षाबंधन के भावनात्मक एवं सांस्कृतिक महत्व को सरलता से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में रक्षा का भाव केवल भाई-बहन तक सीमित न होकर एक-दूसरे के प्रति कर्तव्य, सम्मान और सहयोग की व्यापक भावना को प्रकट करता है। भैया-बहनों के रक्षा सूत्र बंधन के पश्चात आचार्या बहनों ने आचार्य बंधुओं को रक्षा सूत्र बाँधा तथा मिठाई खिलाई। आचार्य बंधुओं ने भी बहनों की सुरक्षा, सम्मान एवं सहयोग का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता, प्रसन्नता और भारतीय संस्कारों की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं आचार्यों को यह संदेश दिया कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि स्नेह, विश्वास, कर्तव्य, सम्मान और पारस्परिक संरक्षण की भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक है।

अम्बेडकर नगर संकुल

रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया

विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर में आज दिनांक **27** जुलाई **2026** को भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वंदना सभा में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी ने भैया-बहनों को रक्षाबंधन पर्व की महत्ता बताते हुए विस्तारपूर्वक संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल रक्षा-सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी, सम्मान और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने वाला पावन उत्सव है।

इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं के भैया-बहनों ने रक्षाबंधन पर्व से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए तथा पर्व की सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डाला। विद्यालय की बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम एवं स्नेह का रक्षा-सूत्र बांधा और उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों के प्रति स्नेह, सम्मान एवं सदैव सहयोग का भाव व्यक्त किया। विद्यालय परिसर में इस अवसर पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, भारतीय संस्कृति और संस्कारों की सुंदर झलक देखने को मिली। पूरा वातावरण प्रेम, अपनत्व और उल्लास से सराबोर रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में भारतीय पर्व-परंपराओं के प्रति सम्मान एवं पारिवारिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। रक्षाबंधन का यह पावन पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सौहार्द, विश्वास और खुशियों का संचार करे—इसी मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अम्बेडकर नगर संकुल

मेजर ध्यानचंद जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर में आज दिनांक **29** अगस्त **2026** को महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिलीप देव पटेल जी, भाजपा जिला अध्यक्ष, अम्बेडकर नगर उपस्थित रहे। विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी ने मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री दिलीप देव पटेल जी ने मेजर ध्यानचंद जी के जीवन एवं उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी केवल भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक नहीं थे, बल्कि वे खेल, अनुशासन, समर्पण, एकाग्रता और राष्ट्रभक्ति के प्रेरणास्रोत भी थे। उनकी उपलब्धियों ने पूरे विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया।उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी ने उस दौर में भारत को लगातार तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जब देश में खेलों के लिए आधुनिक सुविधाओं का अभाव था। उनका खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एकाग्रता, अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का अद्भुत उदाहरण था।

श्री पटेल जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं। खेल हमें अनुशासन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं। आज भारत के युवा खिलाड़ी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैदान पर बहाया गया उनका प्रत्येक पसीना देश के गौरव को बढ़ाने में योगदान देता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं तथा स्वस्थ, अनुशासित एवं मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आह्वान किया कि भारत को खेलों की दुनिया में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के शारीरिक प्रमुख श्री झारखंडेय यादव जी ने किया। राष्ट्रीय खेल दिवस का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

उन्नाव संकुल

हर्सोल्लास के साथ मनाया गया भाई बहिन के प्यार का त्योहार रक्षाबंधन सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज गोपीनाथपुरम शुक्लांगज उन्नाव में आज बहिनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लम्बी आयु की कामना की और भैयाओं ने भी बहिनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया । इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी ने भैया बहिनों को रक्षाबंधन पर्व के विषय में विस्तार से बताया । हिन्दी विषय के आचार्य जितेंद्र कुमार जी ने भी इस पावन पर्व के महत्व को मनाने के कारण को विस्तार से बताया । बहिनों ने राखी बांधी और मिठाई खिलाकर भैयाओं से उपहार लिए । सभी आचार्या बहिनों ने भी सभी आचार्यों ,प्रधानाचार्य व विद्यालय के प्रबंधक को राखी बांधी व मिष्ठान खिलाया । विद्यालय की ओर से सभी बहिनों को उपहार दिया गया । कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र कुमार जी ने किया ।

लखीमपुर संकुल

स्वदेशी संकल्प के साथ मना रक्षाबंधन पर्व

लखीमपुर (खीरी), **27 अगस्त 2026:** विद्या भारती विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज (यूपी बोर्ड), लखीमपुर में आज रक्षाबंधन का पावन पर्व अत्यंत गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राजेश दीक्षित जी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह जी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य देवानन्द पाण्डेय जी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राजेश दीक्षित जी ने स्वदेशी उत्पादों और स्वदेशी राखियों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन परस्पर विश्वास, मातृशक्ति के सम्मान और सुरक्षा का पर्व है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमें विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर श्रीमान विजय श्रीवास्तव जी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को पर्व के सांस्कृतिक व सामाजिक महत्व से अवगत कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह जी ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, उच्च जीवन मूल्यों और दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बहनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भाइयों की कलाई पर स्वदेशी रक्षा-सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु की कामना की, वहीं भैयाओं ने बहनों के सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के उपाध्यक्ष श्रीमान रवि भूषण साहनी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह जी ने मुख्य अतिथि महोदय सहित सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यालय का समस्त आचार्य परिवार, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बेलरायां संकुल

सरस्वती यात्रा एवं रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन

विद्या भारती विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बेलरायां,खीरी में आज दिनाँक **27** अगस्त को सरस्वती यात्रा एवं रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की बहनों द्वारा क्षेत्र की विभिन्न सहकारी संस्थाओं,सरजू सहकारी चीनी मिल,जिला सहकारी बैंक तथा सशस्त्र सीमा बल(**SSB**) में जाकर रक्षाबंधन का कार्यक्रम मनाया गया। बहनों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम,आपसी स्नेह, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

विद्यालय के आचार्य श्री लव कुश जी एवं बहन अर्चना शर्मा बच्चों को लेकर एसएसबी कैंप में गए तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।वहाँ उपस्थित जवानों ने भी विद्यालय की बहनों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान अजीत सिंह ने रक्षाबंधन पर्व की महत्ता बताते हुए कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक ही नहीं, बल्कि आपसी स्नेह, विश्वास, सहयोग,सुरक्षा एवं सामाजिक सौहार्द्र को मजबूत करने का संदेश देता है।उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कार, सेवा-भाव एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्यगण एवं बहनें उपस्थित रहीं तथा सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

गोंडा संकुल

गोंडा। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मालवीय नगर में शुक्रवार को खेल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य रवि कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन मे सम्पन्न हुआ। आयोजित प्रतियोगिताओं मे वालीबाल, बैडमिंटन,भारतीय पारम्परिक खेल बाधा दौड़, जलेबी दौड़, सुदर्शन चक्र, शेर बकरी,नमस्ते जी आदि खेल आयोजित किया गया। संपन्न हुई प्रतियोगिता का परिणाम सोमवार को घोषित किया जायेगा। इस अवसर पर देवेंद्र मिश्र, अरविन्द कुमार ,

जितेन्द्र पाण्डेय, शशि कुमार दुबे,पवन यादव, निर्णायक की भूमिका मे रहे। साथ ही बहनो की प्रतियोगिता मे आचार्या बहन अनुराधा शुक्ला ने सराहनीय योगदान किया।

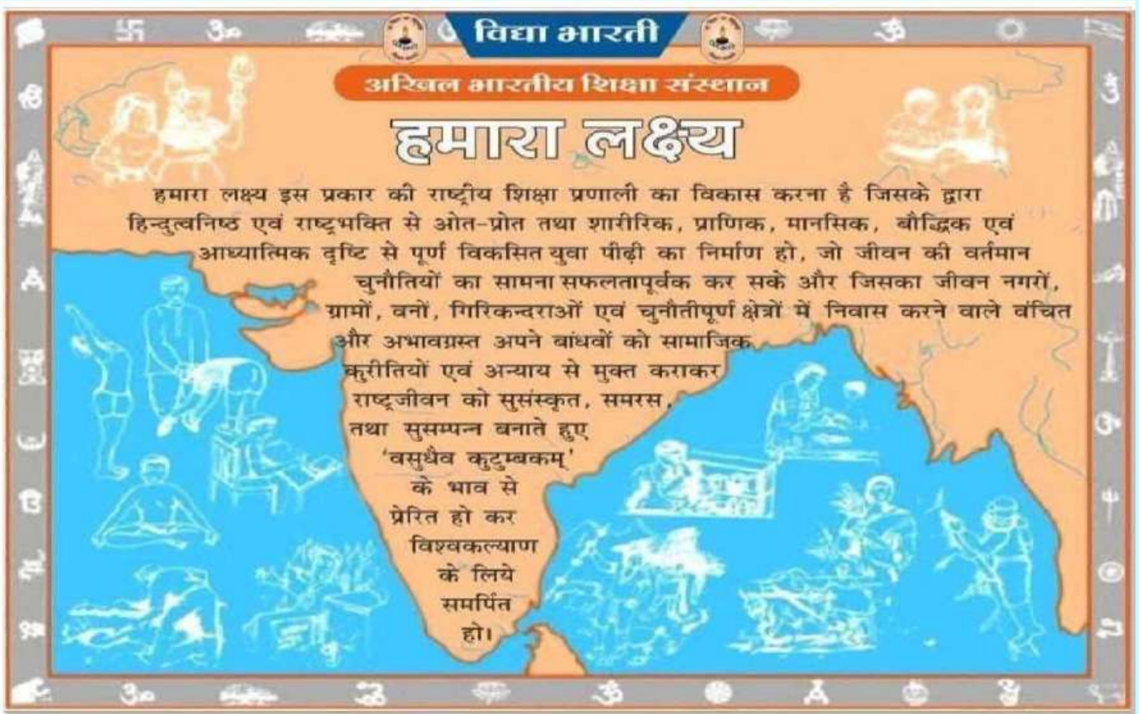
विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
हमारा लक्ष्य
हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस, तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित हो कर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

केशव कृपा